दिग्विजय सिंह

1, श्यामला हिल्स, (8 बंगले), भोपाल-462013
☎ : 0755-2661500, 2441788

11 अक्टूबर, 2011

माननीय अन्ना,

मुझे आपको यह खुला पत्र लिखते हुए बड़ा खेद हो रहा है। मैं आपका बहुत सम्मान करता हूँ। यह भावना आज से नहीं है किन्तु उस समय से है जब मैं आपके गाँव रालेगांव सिद्धि आया था। जल ग्रहण शिक्षा प्रर्यावरण रक्षा और नशाबंदी के काम देख कर मैं बहुत प्रभावित हुआ था। मुझे आज भी आपके नशाबंदी, कुल्हाड़ बंदी, चराईबंदी तथा नसबंदी के नारे याद हैं। आपके विषय में एक आदर और सम्मान का भाव बना था। इसी भावना और अनुभव के आधार पर मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री के रुप में मैंने आपको राज्य योजना बोर्ड का सदस्य बनने के लिये आमंत्रित किया। आप मध्य प्रदेश आये और कई गांव जा कर आपने पानी रोको के काम का मार्गदर्शन भी किया। उस समय भी आदर पूर्वक आपके चरण स्पर्श कर मैं आशीर्वाद प्राप्त करता था, और आज भी वही सम्मान यथावत है।

पर हाल की कुछ घटनाओं ने मुझे असमंजस में डाल दिया है। ऐसा लगता है के आपको कुछ लोगों ने घेर लिया है। यह वो लोग हैं जो हमेशा से कांग्रेस की विचारधारा के विरोधी रहे हैं। फिर चाहे श्री शांति भूषण हो या उनके सुपुत्र प्रशांत या आपके साथी अरविन्द केजरीवाल। यह सभी लोग कांग्रेस के विरोधी रहे हैं। यह अपना राजनैतिक स्वार्थ सिद्व करने में लगे हुए हैं और इस काम के लिये आपके साफ सुथरे चरित्र का दोहन कर रहे हैं। इनके प्रभाव में ही आप कई एक तरफा निर्णय कर रहे हैं और इस का परिणाम यह हो रहा है के आप कई एसे कदम उठा रहे हैं जो आज तक के आपके जीवन मूल्यों के विपरीत हैं।

आपने भ्रष्टाचार के मुद्दे को बड़े प्रभावी ढंग से उठाया है। और इस विषय पर पूरे देश में कोई विवाद नहीं है के भ्रष्टाचार को रोकने के लिये कड़े कदम उठाने चाहिए। आपका आंदोलन शुरु होने से पहले हीं कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जी ने पहल करके बुराड़ी के कांग्रेस अधिवेशन में भ्रष्टाचार के खिलाफ पांच सूत्रिय कार्यक्रम की घोषणा की थी। इसी को लागु करने के लिये उन्होंने राष्ट्रीय सलाहकार परिषद् के दो सदस्यों –अरुणा रॉय और हर्ष मंदर को एक लोकपाल बिल का प्रारूप बनाने का काम सौंपा था। यह दोनों उसी सिविल सोसाइटी के प्रमुख सदस्य हैं जिस का और आपके साथी समर्थन करते हैं।

आप को और आप के साथियों को भ्रष्टाचार के विषय में कांग्रेस और अन्य दलों के भीतर फर्क करना चाहिए। आपको यह स्वीकार करना चाहिए के कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी की पहल पर ही इस देश में सुचना का अधिकार लागु हुआ है और इस के बाद भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आये है। कांग्रेस पार्टी और यूपीए सरकार ने किसी भी मामले में दोषियों को बचाने का कोई प्रयास नहीं किया है और हर मामले को सख्ती से निपटा है। यही कारण हैं के आज पूर्व मंत्री, सांसद और कारपोरेट जगत के कई लोग जेल में है। यूपीए सरकार ने मनीलांड्रिंग कानून को सख्त बनाया है और यही कारण है कि झारखंड के पूर्व

दिग्विजय सिंह

1, श्यामला हिल्स, (8 बंगले), भोपाल-462013
☎ : 0755-2661500, 2441788

मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और उनके साथी जेल में है तथा जमानत भी नहीं मिल रही है। इसके विपरीत आज भाजपा के शासन काल को याद कीजिए। उनके अध्यक्ष बंगारु लक्ष्मण टीवी पर पैसे लेते हुए देखे गये? जया जेटली रक्षा मंत्री के घर रक्षा सौदे करते हुए देखी गयी फिर भी कोई कार्रवाई नही हुई। भाजपा के सांसद टीवी पर पैसे लेतु हुए देखे गये और उन पर कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। आपने स्वामी रामदेव के आंदोलन का समर्थन किया और वह भी बड़े जोरशोर से कालेधन के खिलाफ अभियान चला रहे थे। पर आज उन पर व उनके करीबी साथियों पर प्रवर्तन निदेशालय ने काला धन अर्जित करने के नोटिस दिये। क्या इन सब बातों से आपकी छवि धूमिल नहीं होती?

आज काले धन को लेकर भाजपा के नेता बयानबाजी करते हैं पर अपने शासन काल में इन्होंने कुछ भी नहीं किया। उस समय आप भी खामोश रहे। आपने कभी भी भाजपा के नेताओं के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। आप जितना जोश आज कांग्रेस के खिलाफ दिखाते हैं उसकी तुलना में भाजपा के नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते है। जबकि गुजरात में 8 वर्षों से लोकायुक्त नही है।

आप यह भी सोचिये के जब आपने लोकपाल कानून के लिये आंदोलन किया तो सरकार ने जो पहल की वो हमारे देश के इतिहास में आज तक नहीं हुई है। किसी भी कानून को तैयार करने के लिये गैर सरकारी सदस्यों के साथ मंत्रियों की कोई संयुक्त समिति नहीं बनायीं गयी है और इतना ही नहीं उसके अधिकांश सुझाव भी मान लिये गये हैं। आप भी जानते हैं कि विवाद केवल प्रधानमंत्री और न्यायपालिका को लोकपाल के दायरे में रखने को लेकर और कुछ ऐसी बातों को लेकर था जिनके लिये संविधान संशोधन भी जरुरी हो सकते हैं। यदि सामान्य रुप से देखा जाये तो यह कोई इतना गंभीर विषय नहीं था के इसके लिये आमरण अनशन किया जाता। क्योंकि आपकी मूल मांग तो सरकार ने मान ही ली थी। इसके बाद भी जब आप अनशन पर बैठे तो सरकार ने फिर पहल करके संसद के दोनों सदनों में चर्चा कराके आप के द्वारा रखे गये तीन मुद्दों पर आम सहमती बनाकर आपको संतुष्ट किया। आप ने इस पहल से संतुष्ट होकर अपना अनशन समाप्त किया। उस समय अपनी जीत का ऐलान करते हुए आपने यह भी कहा के सरकार झुक गयी है। इस जीत का जश्न मनाया गया और हम लोगों को यह उम्मीद थी के आप इस जीत के माध्यम से जनता को कम से कम यह संदेश तो देंगे के सरकार ने भ्रष्टाचार के विरोध में आपकी बातों को मान लिया है।

इस काम का पूरा करने के लिये संसद के शीतकालीन सत्र तक की समय सीमा भी तय हुई। आप भी जानते हैं कि प्रक्रिया अभी चल रही है और यह समय सीमा अभी पूरी नहीं हुई है, यह सारा मामला अभी संसद की संयुक्त स्थायी समिति के पास है और आपके लोग इस समिति के सामने पेश हो भी चुके हैं फिर

दिग्विजय सिंह

1, श्यामला हिल्स, (8 बंगले), भोपाल-462013
☎ : 0755-2661500, 2441788

भी आप कांग्रेस के विरोध में एक तरफा फैसले ले रहे हैं। मुझे नहीं लगता है कि किसी भी संसदीय व्यवस्था में इससे अधिक कुछ किया जा सकता था। सरकार और कांग्रेस पार्टी ने अपनी पूरी ईमानदारी के साथ लोकपाल कानून बनाने का वादा किया है और जब पूरी संसद ने भी इसका समर्थन किया तो फिर आपको इस बात पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है, फिर भी आपने कांग्रेस के खिलाफ वोट करने का आवाहन किया है।

यहाँ मुझे आपका ध्यान कुछ बातों की तरफ दिलाना है। आप और आपके साथी राजनीति में सक्रिय हों और कांग्रेस या किसी भी दल का विरोध करें यह आपका मौलिक अधिकार है। इस में मुझे या कांग्रेस पार्टी को काई आपत्ति होने का प्रश्न ही नही खड़ा होता। वास्तव में यह तो अच्छी बात है के आप जैसे साफ सुथरे लोग राजनीति में आयें। किन्तु राजनीति में आप यदि इस आधार पर आ रहे हैं की कांग्रेस का इसीलिये विरोध होना चाहिए क्योंकि यह लोकपाल कानून के खिलाफ है तो एक तो यह बात ही गलत धारणा पर आधारित है और दुसरे आपको यह भी विचार करना चाहिए के ये फैसले किस के हक में है ? जब आप हिस्सार में कांग्रेस का विरोध करते हैं तो आपके किसके साथ खड़े हुए नजर आते है ? क्या स्वर्गीय भजनलाल के परिवार का इतिहास आप नहीं जानते ? क्या आप इस बात से परिचित नहीं हैं के चौटाला परिवार की इतिहास क्या रहा है। क्या आप इस बात से अंजान है कि इनके खिलाफ भ्रष्टाचार के प्रकरण न्यायालय में लंबित है।

क्या आप और आपके सहयोगी इस बात से अंजान हैं कि कांग्रेस के विरोध में वोट करने का आवाहन करके आप इनके साथ खड़े हुए नज़र आ रहे हैं ? इससे क्या भ्रष्टाचार कम होगा ? क्या हम साफ सुथरी राजनीति का समर्थन करेंगे ?

आप यदि भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग में भ्रष्ट लोगों को साथ लेंगे तो फिर भ्रष्टाचार कैसे कम होगा ? आपके शायद ज्ञात न हो इंदौर में "मैं हूँ अन्ना" की टोपी पहन कर एक मंत्री और एक विधायक ने आपके आन्दोलन में हिस्सा लिया। यह दोनों ही ज़मीनों के सौदों को लेकर अनेक विवादों में घिरे रहे हैं। आप स्वयं विचार करें क्या इससे आपके आन्दोलन को ताकत मिलती है?

मैंने जब भी आपके आंदोलन के विषय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नाम भी लिया हैं तो आपने मुझे पागल खाने भेजने की बात कही है। मैं आपका सम्मान करता हूँ इसीलिये इस विषय में कुछ नहीं कहता। पर अब तो स्वयं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इस बात को सार्वजनिक रुप से स्वीकार किया है। अपने विजयादशमी के भाषण में नागपुर में इस बात को उन्होंने स्पष्ट रुप से कहा है। इसके पहले गोविन्दाचार्य भी इस बात को कह चुके हैं और संघ ने आपके आंदोलन का समर्थन करते हुए अपने

दिग्विजय सिंह

1, श्यामला हिल्स, (8 बंगले), भोपाल-462013
☎ : 0755-2661500, 2441788

स्वयंसेवको को पत्र भी लिखा है। आप भी जानते है के संघ के प्रवक्ता राम माधव ने आपके मंच पर आकर आपका समर्थन किया। आपके रामलीला मैदान के कार्यक्रम के समापन अवसर पर जब धन्यवाद दिया जा रहे थे तो वहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, और भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी का विशेष उल्लेख किया गया। आप फिर जब कहते है के आपको मालूम नहीं के संघ ने आप का समर्थन किया के नहीं तो आपकी विश्वसनीयता पर प्रश्न अवश्य खड़ा होता है। आप महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं और संघ भी महाराष्ट्र की धरती से ही आगे आया है। मुझे केवल इतना ही कहना है के उनका चरित्र आप मुझ से बेहतर जानते है। मेरा तो केवल एक ही प्रश्न है। आप इतना बड़ा देश व्यापी आंदोलन चला रहे हैं तो क्या आपको पता नहीं है के कौन से संगठन आपका समर्थन कर रहे है और क्या आप इन लोगों का साथ लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं ?

वैसे यदि आप विचार करेंगे तो आप को इस बात का एहसास होगा के आप के शुभचिंतक भी आपके आस-पास रहने वाले लोगों को लेकर आपके विषय में चिंतित है। शिव सेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने एक मराठी माणूस के नाते आप का आदर और समर्थन किया है। आपके आंदोलन और आपके सहयोगियों के विषय में उनके विचार भी आप भली भांति जानते है। उन्होंने ठीक ही कहा है के आपके सहयोगी आपको तो अनशन पर बैठाते हैं और स्वयं 5-स्टार भोजन का आनंद लेते हैं।

आपका जीवन समाज सेवा का आदर्श रहा है। मेरे जैसे राजनितिक कार्यकर्ता इस विषय में आपसे प्रेरणा लेते हैं। आप राजनीति में आते हैं तो आपका स्वागत है पर आप अपने साथी और समर्थक तो ऐसे चुने के लोगों का विश्वास न टूटे।

जन चर्चा यह भी यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने अब आपको देश के राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का सब्जबाग दिखाया है। आप उम्मीदवार बनें पर भारतीय जनता पार्टी के लुभावने वादों से सावधान रहें। इस पार्टी को ऐसे सब्जबाग दिखाकर लोगों को गुमराह करने की आदत है। आपके स्वस्थ और लम्बे जीवन की कामना के साथ।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(दिग्विजय सिंह)

श्री अन्ना हजारे
गांव – रालेगांव सिद्धि
जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र